പ്രിയ സഹപ്രവർത്തകരെ,

മേന്മയുള്ള വിദ്യാഭ്യാസം ഏവരും ഉറപ്പാക്കുക എന്ന ലക്ഷ്യത്തോടെ എസ്.എസ്.എൽ.സി അഭിമുഖീകരിക്കുന്ന നമ്മുടെ ജില്ലയിലെ കുട്ടിക്കൾക്കായി ജില്ലാപഞ്ചായത്ത് പഠന ക്യാമ്പുകളിൽ ഉപയോഗിക്കുവാനായി ഉണ്ടാക്കിയ കൈപ്പുസ്തകമാണിത്. നമ്മുടെ വിഷയത്തിൽ ഉയർന്ന ഗ്രേഡു നേടുന്നതിന് ഈ പുസ്തകം സഹായകമാകും എന്നു വിശ്വാസിക്കുന്നു.

ഇതിൽ ഉൾപ്പെടുത്തിയിട്ടുള്ള ഓരോ പ്രവർത്തനവും ക്ലാസ്സ് മുറികളിൽ നടപ്പിലാക്കുകയും ടീച്ചർവെർഷൻ തയ്യാറാക്കി കാണിക്കുകയും ചെയ്തെങ്കിൽ മാത്രമേ നമ്മുടെ ലക്ഷ്യം സഫലമാകു. ഓരോ യൂണിറ്റിൽ നിന്നുമുള്ള പരമാവധി പ്രവർത്തനങ്ങളും ചോദ്യമാതൃകയും നൽകുവാനും ശ്രമിച്ചിട്ടുണ്ട്. ഭിന്നനിലവാരക്കായ എല്ലാ കുട്ടികൾക്കും പങ്കെടുക്കാൻ കഴിയും വിധം പ്രവർത്തനങ്ങളും ക്രമീകരിച്ചിട്ടുണ്ട്.

ഈ പുസ്തകം നിങ്ങൾക്കൊരു കൈത്താങ്ങാകുമെന്ന പ്രതീക്ഷയോടെ.....

നേതൃത്വം നൽകിയത് പി.ശിവപ്രസാദ് (ലക്ചറർ, ഡയറ്റ് വയനാട്)

Participants

1. एम.यु.सेबास्ट्यन : सेंट जॉसपस हाईस्कूल कल्लोडी
2. ए.सी.उण्णिकृष्णन : निर्मला हाई स्कूल कबनिगिरी
3. ई.ए. चाक्कोच्चन : सरकारी हाई स्कूल इरूलत
4. एस.के. गायत्री : सरकारी हायर सेकंडरी स्कूल - आराट्टुतरा

इकाई 1 उड़ान

अनमोल यादें

रिविशन केलिए 'अनमोल यादें' पाठ भाग की मुख्य बिंदुओं को सुचिबद्ध करने का निर्देश दें। एक या दो छात्रों को प्रस्तुत करने का अवसर दें। इनबिन्दुओं को निम्नलिखित रूप में श्याम पट पर लिखें।

- कलाम का जन्म और माता-पीता
- माता- पिता की यादें
- पक्षी लक्ष्मण शास्त्री
- पांबन पुल की दुर्घटना
- एस.टी.आर माणिक्कम
- शमसुद्दीन और पहली कमाई
- दोस्त और कक्षा का अनुभव
- शिव सुब्रम्हण्य अय्यर

- इन बिन्दुओं के आधार पर दलों में जीवनी तैयार करने का निर्देश दें। जीवनी तैयार करने में छात्रों की सहायता करें। दलों को प्रस्तुत करने का अवसर दें। जीवनी की तुटियाँ सुधारें।
- आप नवभारत टाइम्स का पत्रकार है। आप ने जो जीवनी तैयार की है, उसके आधार पर कलाम से साक्षात्कार तैयार करें। (अगर प्रश्न 5 अंक का है, तो 5 प्रश्न और उसका उत्तर अनिवार्य है)

पत्रकार : नमस्ते, मैं नवभारत टाइम्स का एक पत्रकार हूँ।

कलाम : नमस्ते, आइए।

पत्रकार :

कलाम : .....

.....

- यह डायरी पढ़े।

रामेश्वरम,
तारीख।

सागर। यह कितना सुन्दर था। आज तक मैं ने इसकी खुबसूरती ही देखा था। लेकिन आज इसको क्या हुआ? इसका क्रोध कितना कठिन था? आज सौ मील रपतार से हवा चली। पांबन का पुल टूट गया। यात्रियों से भरी रेलगाडी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कितने लोगों की मत्यु हुई। उसकी अनियंत्रित ऊर्जाने मुझे हतप्रभ कर डाला। आज एक काला दिन था। क्या आज मैं सो सकता हूँ? देखूँ.....

- इस डायरी के आधार पर कलाम के इस पत्रकी पूर्ति करें.

रामेश्वरम
तारीख।

प्रिय मित्र,

कैसे हो ? ठीक हैं न? माँ- बाप कैसे है?

.....
.....।

माँ- बाप को मेरा प्रणाम, मुन्ना और लल्ली को मेरा प्यार। वापसी की प्रतीक्षा में,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
कलाम

सेवा में

- वैयक्तिक रूप से तैयार करवायें और आवश्यक सहायता दें। प्रस्तुतीकरण का अवसर दें। संशोधन करें।
-

पांबन का पुल टूट गया, सैकडों की मृत्यू रामेश्रम : कल हुई ....।

डयरी की सहायता से इस रपट की पूर्ति करें।
प्रस्तुत करने का अवसर दें। संशोधन करें।
प्रिय मित्रो,

आप याद रखे, सभी कार्यो का Teacher version दें। यह अपने छात्रों को बहुत अपयोगी होगा।

मूल्यांकन केलिए अतिरिक्त कार्यः

“मुसलमान होने के कारण नये अध्यापक मुझे उठाकर पीछेवाले बेंच पर जाने को कहा। मुझे बहुत बुरा लगा। रामानंद शास्त्री को भी बहुत खला।”

1. इस घटना के आधार पर रामानंद शास्त्री की दैनिकी तैयार करें।
2. इसके आधार पर कलाम का पत्र तैयार करें। मित्र के नाम पर।
3. इस घटना का रपट अगले दिन के समाचार पत्र में आया। वह रपट तैयार करें।

हमारा देश : कविता

निम्नलिखित बिन्दुओं को चार्ट में / श्यामपट पर लिखकर दिखायें।

- जन्म- भारतवर्ष में
- ढलमुल और गंवारू, झोंपडे, कठिन मेहनत
- विश्राम और ग्रामीण कलाएँ
- शहरी संस्कृति
- ग्रामीण और शहरी संस्कृति में अंतर

- मेरा जन्म भारतवर्ष में हुआ। मैं एक.....
  .....

शीर्षक देकर इस आत्मकथांश की पूर्ति करने का निर्देश दें। यह कार्य ग्रुप में करवायें। हर ग्रुप की आत्म कथांश प्रस्तुत करवायें। अनिवार्य संशोधन करें। हर इकाई के बाद 45 मिनट केलिए प्रश्नपत्र दिया है। हर प्रश्नपत्र चार्ट में लिखकर प्रस्तुत करें।

प्रश्नपत्र. 1 – 45

1. "आधी शाताब्दी बीत जाने पर भी अपनी उस पहली कमाई पर मैं गर्व करता हूँ" इसके आधार पर कलाम की डायरी तैयार करें । (3)
2. कलाम के माँ- बाप की जानकारी आप प्राप्त करना चाहते है। कलाम से साक्षात्कार तैयार करें। आप एक पत्रकार है।
3. गाँव अपने पड़ोसी गाँव को अपनी दशा का वर्णन करते हुए पत्र लिख रहा है। 'हमारा देश' कविता के आधार पर पत्र तैयार करें।

इकाई 2 सहज

मानव जीवन पर क्रोध का बडा प्रभाव होता है। इसके बारे में एक लघु निबंध तैयार करवाना है। इसके लिए ' क्रेध' लेख की मुख्य बिंदुएँ उपविषय के रूप में दें। ये बिन्दुएँ श्यापट पर प्रस्तुत करें।

- क्रोध विवेक का पूरा शत्रु
- क्रोध एक बुरा विकार
- क्रोध बुरे विकारों की खिचड़ी
- क्रोध भीरूता का चिह्न
- क्रोध छोड़ो, विवेकी बनो

बिन्दुएँ गूपों में बाँट दें। अपनी बिन्दु के आधार पर विवरण तैयार करवायें। ग्रुप के विवरण इकट्ठा करके शीर्षक देकर लेख का रूप दें।

'क्रेध' निबंध पूरी तरह समझाने केलिए निम्नलिखित कार्य करवायें और कक्षा में प्रस्तुत करवायें।

- 'क्रोध' छोडो, विवेकी बनों- आपने जो लेख तैयार किया है, उसके आधार पर एक भाषण तैयार करें।

निर्झर : कविता

कविता की मुख्य बिन्दुओं की जानकारी प्राप्त करने केलिए निम्नलिखित प्रश्न दें। छात्र वैयक्तिक रूप में उत्तर दें।

- निर्झर का जन्म कहाँ हुआ?
- निर्झर कहाँ से होकर बहती है?
- वह अपना ऊँचा स्थान क्यों छोड़ देती है?
- निर्झर का शरीर क्यों जलमय हो गया?
- मार्ग में निर्झर को कौन बाधा बनाता है?
- निर्झर से तरूगण का व्यवहार कैसा है?

- छात्रों के उत्तर को एकत करके निर्झर की जीवनी तैयार करवायें। प्रस्तुत करने का अवसर दें। संशोधन करें।
- इस जीवनी के आधार पर निर्झर की डायरी तैयार करवायें।

प्रश्न पत्र -2

1. आपका मित्र रमेश क्रोधी है, जो हाऊस नं 35. 'आशीर्वाद' नड़क्काव, कोषिक्कोड़ में रहता है। क्रोध की बुराइयों की जानकारी देते हुए उसके नाम पर पत्र लिखें।
2. 'निर्झर' कविता के आधार पर निर्झर की आत्मकथा तैयार करें।

इकाई-3- अंतरंग

आज का मानव- कविता

निम्नलिखित सूचनायें दें।

- मनु की संतान
- स्वार्थी
- मानव का लक्ष्य
- प्राचिन सभ्यता और आधुनिक सभ्यता
- मानव और पशु में अंतर

- इन सूचनाओं के आधार पर एक लेख तैयार करवायें।
- इस लेख के आधार पर आज के मानव की जीवनी तैयार करवायें।
- आज का मानव कविता के आधार पर मानव की आत्मकथा तैयार करें

इकाई 4- मोती

कौशल : कहानी

निम्नलिखित वार्तालाप का फोटोस्टेट लेकर ग्रूप में दें। छात्र पढ़ें।

पड़ोसिन	: माया, यह हार मेरे जैसा ही है। क्या नया है?
माया	: हाँ, कल ही मिला। पंडित जी की निशानी।
पड़ोसिन	: निशानी ? कैसे?
माया	: मैं ने एक कौशल किया था। और हारमिला।
पड़ोसिन	: कौशल की क्या ज़रूरत थी? कहने पर वे बनवा देते हैं न?
माया	: पंडितजी! मैं ने कितनी बार माला की लालसा की। पर .....
पड़ोसिन	: पर क्या? वे तो काम करते हैं न?
माया	: काम तो ज़रूर करते हैं, सिर्फ आजीविका केलिए । बाकी समय सोता ही है। आलसी जीव है। माला न देने केलिए दलीलों का शरण लेते थे।
पड़ोसिन	: फिर माला कैसे मिली?
माया	: कुछ महीने पहले मैं ने तुम्हारी माला माँगी थी न? उस दिन मैं ने जो कौशल किया, उसी कौशल के कारण माला मिली।
पडोसिन	: चाहे जो भी हो, तुम्हारी माला बहुत सुंदर है।

- माला न देने केलिए पंडितजी दलीलों का शरण लेते हैं। उसके आधार पर माया और पंडितजी के बीच का वार्तालाप तैयार करवायें।
- हार बनवाने केलिए माया ने कौशल किया था। माया अपने कौशल का विवरण देते हुए अपनी सहेली को पत्र लिख रही है। वह पत्र तैयार करवायें।
- शीर्षक देते हुए नीचे दिए रपट की पूर्ति करें।

  काशी : पंडित बालकराम शास्त्री के घर में कल शत .....

मूल्यांकन प्रश्नः

1. माया को माला बनवा देने केलिए पं जी को अपने आत्मस्वातंत्र का भी बलिदान करना पड़ा। लेकिन पत्नी की खुशी और सौंदर्य उसको संतुष्ट किया। इसके आधार पर पंडितजी की डायरी तैयार करें।
2. निम्नलिखित साक्षात्कार की पूर्ति करें।

पत्रकार : नमस्ते पंडितजी

पंडितजी : नमस्ते । .....

पत्रकार : आपके घर में चोरी हुई है न ? उसके बारे में एक साक्षात्कार लेना चाहता हूँ।

पंडितजी : .....

पत्रकार : चोर ने क्या-क्या लेगए?

पं : .....

पत्रकार : माला माया की है न?

पं : ..... ।.....।

पत्रकार : हार बनवा देना है न? इसके लिए आप क्या करेंगे?

पं : .....।.....।.....।

पत्रकार : हार कब बनवा देंगे?

पं : .....।

पत्रकार : इच्छा की पूर्ति हो जायें । धन्यवाद।

पं : .....।

तराने

हर दोहे का तत्व लिखवायें। क्रमबद्ध करने की तरीखा सिखायें।

प्रश्नपत्र

1. जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ग्यान ।
   मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।
   इस दोहे का तत्व क्या है?
2. तुलसी भीतर बाहिरौ
   राम नाम मनि दीप घरू
   जौ चाहसि उजियार
   जीह देहरि द्वारा- दोहे क्रमबद्ध करें।
3. माया को सोने के हार की लालसा थी। अपने आसली पति से मंगवाना असंभव है। इस अवसर पर माया की डायरी करें।
4. हार की चोरी होने पर माया और पड़ोसिन के बीच का वार्तालाप तैयार करें।

इकाई. 5- सफर

चिरापुंजी से आया हूँ- यात्रा विवरण
निम्न लिखित पत्र चार्ट पर प्रस्तुत करें।

कोषिक्कोड़
10-10-2009

प्रिय रेखा,

तुम कहाँ गायब हो गई? कोई खबर नहीं है। सुना है तुम मेघालय और मणिपूर धूमकर आयी है। वहाँ का क्या खबर है? मुझे भी बता दो।
सब को मेरा प्रणाम।

तुम्हारी सहेली
(हस्ताक्षर)
प्रेमा

सेवा में
रेखा. सी.सी.
पता .....
.....

- रेखा की वापसी पत्र ग्रूप में तैयार करवायें । निम्नलिखित सूचनायें दें।
    - मेघालय की प्रकृति
    - मांसमाई प्रपात
    - नृत्य
    - मातृसत्तात्मक व्यवस्थ
    - माइती बाज़ार

  पुस्तक की सहायता लेकर लिखने का निर्देश दें। प्रस्तुतीकरण का अवसर दें। संशोधन करें।
- रेखा ने माइती बाज़ार देखा। रेखा से साक्षातकार तैयार करें।

  सिंहासन खाली करो- कविता

  कविता का वाचन करवायें। छात्रों को ग्रूपमें निम्न लिखित बिन्दुएं दें।

  - गुलामी भारत
  - जनता का शोषण
  - आज़दी की झगडा (स्वतंत्रता संग्राम)
  - जनतंत्र का उदय
  - शासक और जनतंत्र
  - शासकों से अनुरोध

- अपने विषय पर छात्र विवरण तैयार करें। इनको एकत्रित करके लेख तैयार करवायें । शीर्षक देने का निर्देश दें।

प्रश्नपत्र- 45 मिनट

1. “माइती बाज़ार हमारी समाज व्यवस्था का, हमारी संस्कृति का सदियों पूराना अंग है। माँ को वहाँ जाने दो, उसे रोको नहीं।” लखनाऊ वाली महिला और मणिपूरी पति के बीच का वार्तालाप तैयार करें।

2. मासमाई प्रपात का वर्णन देते हुए मित्र के नाम पर पत्र लिखें।

3. " सबसे विराट जनतंत्र जगत का आ पहुँचा,
तैंतीस कोटि- हित सिंहासन तैयार करें;
अभिषेक आज राजा का नहीं, प्रजा का है,
तैंतीस कोटि जनता के सिर पर मुकुट धरो।"
सरल अर्थ लिखें।

पारिभाषिक शब्दावली

1. राजीव Office जा रहा था। रास्ते में Go slow का संकेतपट देखा। फाटक पर लिखा था- Don't Spit here.
(कार्यालय, अंदर आना मना है, यहाँ थुँकना मत, धीरे चलिए)

2. शालिनी Account खोलने जिला बैंक के कल्पट्टा Branch गई। वहाँ May I help you का सकेतपट देखा। उनसे पूछने पर कहा कि आप Cashier के पास जाइए।
(चालू खाता, रोकडिया, क्या मैं आपकी सहायता करूँ, शाखा खाता।)

3. कुछ पारिभाषिक शब्द

Applicant	- आवेदक	Collection	- वसूली
Total	- कुल	Beared	- धारक
Cash	- नकद	Clerk	- लिपिक
Account No	- खाता संख्या	Certificate	- प्रमाणपत्र
Current Account	- चालू खाता	Copy	- प्रतिलिपि
Transfer	- अंतरण	Payment	- भुगतान
Depositor	- जमाकर्ता	Stenographer	- आशुलिपिक

<u>नवरत्न</u>

हर कहानियों का आशय समझाने केलिए निम्नलिखित बिन्दुएँ दें।

लाल अंगाशें की मुस्कान

- माहम शाह का जेल से फरार होना
- राणा हमीर के पास आना
- सलाहकारों से पूछ ताछ
- माहम को शरण देना
- माहम को खिलजी के सूपुर्द करने का निर्देश
- रणथंभोर और दिल्ली के बीच युद्ध
- रणथंभोर की स्त्रियों की आत्मोहुति

परिक्षा

- सूजनासिंह का बूढ़ा होना
- रियासत देवगढ़ के राजा से विनय
- नये दीवान केलिए विज्ञापन
- उम्मीदवारों का रहन- सहन
- हाँकी का खेल
- किसान की सहायता
- जानकी नाथ नये दीवान

लड़की

- लड़का और लड़की के पोशाक
- लड़का लड़की को कोंचना
- लड़की का दांत गड़ाना
- माँ का बुरा व्यवहार
- भोजन में अंतर
- पेट - दर्द
- माँ लड़की को गालियाँ
- लेखक से सांत्वना

भोलाराम का जीव

- भोलाराम के जीव लापता
- पर लोक में हलचल

- नारद का, पृथ्वी पहुँचना
- अफसर दना वीणा माँगना
- जीव पेंशन पर अटका है।

स्नेह का दंड

- शिवशंकर और रामशंकर का परिवार
- रामशंकर द्वारा बंटवारे का निर्देश
- सारी संपत्ती राम शंकर को
- शिवशंकर का, पुरानी हवेली जाना

सही मिलान करने की तरीका सिखाने केलिए तालिका बनवायें।

उदाः

कहानी	लेखक	पात्र	चरित्रगत विशेषताएँ
परीक्षा	प्रेमचंद	सुजानसिंह	नीतिकुशल दीवान
परीक्षा	प्रेमचंद	जानकीना थ	सेवाभाव

- इस तरह अन्थ कहानियों से भी तालिका बनवायों। सही मिलान के लिए प्रश्न तैयार कर छात्रों को दें और लिखवायें।

निम्न लिखित प्रश्नों का परिचय करवायें।

उत्तर लिखवाकर प्रस्तुत करवायें।

प्रश्न : हमीर ने माहम को शरण दिया। अगर हमीर के स्थान पर आप हो, तो क्या करता?

उत्तरः मैं माहम को ज़रूर शरण दूँगा। क्योंकि मैं राजा के समान हुँ विख के हर लोग राजा को अपनी प्रजा है। प्रजा का संरक्षण करना राजा का कर्तव्य है।

अन्य प्रश्न

1. अलाउदीन के पद्ध के उत्तर में हमीर ने कहा कि माहम को शरण दी है। अपने सर्वस्व लुटाकर भी शरणार्थियों की रक्षा करूँगा। एक के जीवन के लिए हज़ारों का बलिदान- इस पर आप का राय क्या है?

2. किसान की गाडी नाले से निकालने में जानकीनाथ ने अपनी थकावट भूलकर भी सहायता दी। अगर जानकीनाथ के स्थान पर आप हों तो क्या करता?
3. भोजन के समय लड़की चुप-चाप बैठी थी। माँ ने कहा - वह फिर खा लेगी। माँ का यहव्यवहार सही है? अपनी राय प्रकाट करें।
4. 'लडकी' कहानी में लड़की के साथ जो व्यवहार होती है वह ठीक है? आपकी क्या राय है?
5. शिवशंकर ने राम शंकर को सारी संपत्ति दी। आप हो, तो क्या करता?
6. नारद भोलाराम की पेंशन केलिए दफतर पहुँचनेपर इनाम के रूप में अपनी वीणा देना पडा। दुनिया में इस प्रकार की बुशइयाँ चलती है। क्या आप इससे सहमत है?

निम्न रपट श्यामपट पर प्रस्तुत करें।

दिल्ली : दिल्ली के बादशाह अलाउदीन खिलजी का सिपाही माहमशाह जेल से फरार हो गया। एक मामूली बात पर नाराज़ होकर खिलजी ने फाँसी की सज़ा दी थी। पिछले दो महीनों से वह जेल में था। लोगों का कहना है कि रणथंभोर के राजा राणा हमीर ने माहम को शपण दी है।

नीचे दिये प्रश्न देकर रपट की सहायता से लिखने का निर्देश दें।

1. रपट को अचित शिर्षक दें।
2. राणा हमीर से मिलने केलिए यह प्रवेश पत्र भरें।

रणथंभोर – प्रवेश पत्र

नामः ..... स्त्री/पुरूष

कहाँ से आता है ..... काम .....

उददेश्य.....

- रणथंभोर और दिल्ली के बीच युद्ध होनेवाला है। उदेघोषणा तैयार करें।
- ‘ रणथंभोर ने आत्महत्या की’ रपट तैयार करें।
  निम्न लिखित पोस्टर प्रदर्शित करें।

रियासत देवगढ़
उम्मीदवारों के बीचे हाँकी प्रतियोगिता 20/6/1929.
समय : सबेरे 10 बजे

सब का स्वागत

- इस पोस्टर के आधार पर एक उद्‌घोषणा तैयार करवायें।
- ‘जानकीनाथ को पदवीदान’- पोस्टर तैयार करें।
- “ मैं भीतर तक चरमरा गया। लड़की उसी निरूद्धेग भाव से खाती रही।” लड़की कहानी के आधार पर लेखक की डायरी तैयार करें।
- ‘राम-लक्ष्मण अलग हो गया’ - “स्नेहका दंड” कहानी के आधार पर समाचार पत्र का रपट तैयार करें।
- ‘भोलाराम का जीव लापता’- विज्ञापन तैयार करें।
- भोलाराम का जीव लापता’ - यमलोक के समाचार पत्र में आये रपट तैयार करें।

कहानी

नीचे दिये कहानी पढकर आस्वादन करें और उचित शीर्शक भी दें

मैलापूर गाँव में एक विशाल तालाब था। उस में एक मेढक अपने परिवार के साथ खुशी सेपहता था। इस तालाब में आकर एक कौआ रोज़ मछलियों को पकडकर खाता था।

एक दिन मेढक पानी से बाहर आते समय कौआ उसे पकड लिया/ वह पेड़ पर जाकर बैठा। तब मेढक को एक उपाय सूझ गया/ उसने कौए से कहा- "देखो भाई, मेरा शरीर कीचड से भरा है। शरीर से दुर्गंध- भी आता है। आप मुझे पानी से साफ करके खाइए/ तब स्वाद बढेगा"।

कैए ने सोचा, - वह तो ठीक है। उसने मेंढक को तालाब की पानी में साफ करना आरंम किया/ तब मेढक कौए से छुटकर आपना जान बचाया।

मूल्यांकन बिन्दुओं पर ध्यान दें।

- क्रिया भुतकाल में हो
- पात्र,- नाम; संवाद
- भाषा और शैली
- कथावस्तु या घटना संदेश
- शीर्षक

- संकेतों के आधार पर कहानी लिखने का अश्यास दें।
    - गाँव में दो स्त्रियाँ
    - मातृत्व पर झगडा
    - राजा के पास जाना
    - राजा की आज्ञा
    - बच्चें को दो दुकडे करना
    - पहली स्त्री आजा मानना
    - असली माँ को पहचानना
    - कारागृह में डालना
- टोपी बेचता व्यापारी
- चलते-चलते थक जाना
- पेड के नीचे आराम

• सो जाना
• टोपियाँ बंदरों के पास
• उपाय सूझा
• अपनी टोपी फेंकना
• अनुकरण करना टोपियाँ वापस

कहानी का रूप दें

भुखा कुत्ता चला गाँव से
मिली कहीं से दुकडी हइडी
भागा जलदी पहुँचा पूल पर
देखा परछाईनीचे पानी
सोचा उसने दूसरा कूत्ता
भौका ज़ोर से डराने
गिरी पानी में मुँह से हइडी
निराश कूत्ता चला भुख से

निबंध

नीचे दिये निबंध पढें और उचित शीर्षक भी दें।

मानव जीवन में समय का बहुत बड़ा स्थान है। समय नष्ट हुआ तो वह कभी वापस न मिलेगा। आजकल मानव बडी आलसी बन गयें हैं। उन्हें समय बरबाद करने में कोई संकोच नहीं/ विद्यार्थियों को अपने जीवन में समय अमूल्य है। ठीक समय पर उठना, पढ़ना अपना कार्यकलाप करना आदि अनिवार्य है। इसलिए उचित समयसारणी बनाकर छात्रों को पढना चाहिए। गृहकार्य करने में, वैयक्तिक कार्य करने में समय की पाबन्द रखना चाहिए। कबीरदास ने कहा है – "काल्ही करे सो आज कर, आज करे सो अब"। आलस्य बहुत बडा पाप है।

समय का मूल्य जानकर हर एक व्यक्ति को काम में लग जाना चाहिए। जीवन पथ में आगे बढने केलिए, विजय प्राप्त करने केलिए समय के सदूपयोग पर ध्यान देना महत्वपूर्ण कार्य है।

कृपया ध्यान दें

- शीर्षक
- भूमिका
- विषय विस्तार
- उपसंहार
- भाषा और शैली

• बिन्दुओं को विकसित करके लघु निबंध तैयार करें

क

- विज्ञान का युग
- यातायात केलिए कई प्रकार के वाहन
- बिजली
- दूरदर्शन
- चिकित्सा क्षेत्र
- गुण- दोष

ख

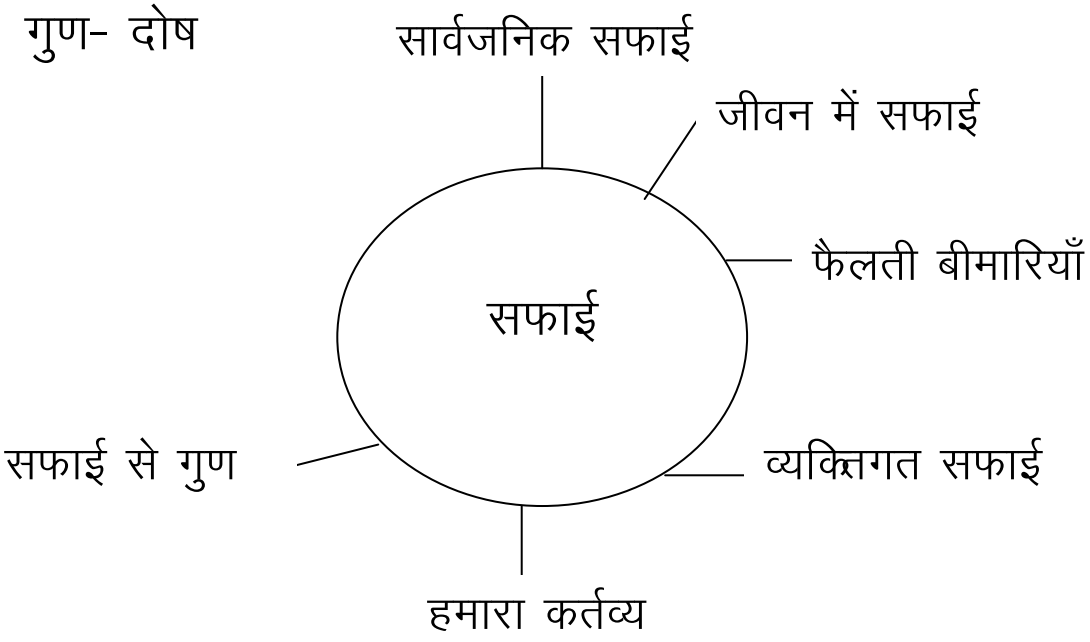

ग

- गाँव
- गाँव का जीवन
- वहाँ की संस्कृति
- संस्कृति का केंद्र
- प्रकृति सौंदर्य
- शहरी और ग्रामीण सभ्यता में अंतर

घ

- जल
- जीवन का आधार
- जल का स्रोत
- जल की उपयोगिता
- दुरूपयोग
- जल का प्रदूषण
- जल संरक्षण

जीवनी

जीवन वृत्त के आधार पर जीवनी तैयार करें

नाम	:	ओ. एन. वी. कुरूप
जन्म	:	27 मई 1931
जन्मस्थान	:	चवरा, कोल्लम
पिता	:	ओ.एन.कृष्णकूरूप
माता	:	लक्ष्मिक्कुट्टि
शैक्षिक योग्यताएँ:		बी.ए.(अर्थशास्त्र),एम.ए (मलयालम)
कार्यक्षेत्र	:	अध्यापन, साहित्य, केन्द्र साहित्य अकाडमी सदस्य
पहली रचना	:	पोरूतुन्न सौंदर्यम. 1949
प्रमुख रचनाएँ	:	उप्पु, भुमिक्कोरू चरम गीतम.....
पुरस्कार	:	पद्मश्री (1998) आशान पुरस्कार, फिल्मी गीत के राज्य पुरस्कार

सेवानिवृत्त : 31 मई 1986

- प्रेमचंद
- कहानी साम्राट, उपन्यासकार
- असहयोग आंदोलन
- पहली रचना "बडे घरकी बेटी"
- साढे तीन सौ कहानियाँ , मानसरोवर संग्रह
- सोज़ेवतन
- सेवासदन, प्रेमाश्रम, निर्मला, रंगभूमि, गोदान

यात्रा विवरण

निम्न लिखित यात्रा विवरण प्रस्तूत करें।

मानव जीवन में यात्रा का बहुत बड़ा स्थान है। आँखों से देखकर, या अनुभव से प्राप्त करने वाला ज्ञान हम कभी नहीं भुलेंगे।

विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक यात्रा का महत्वपूर्ण स्थान है। पिछले महीने में हमारे स्कूल से ५० छात्र और ५ अध्यापक मैसूर गए। सबेरे छह बजे यात्रा शुरू की। १० बजते ही मैसूर पहुँचे। वहाँ चिडियाघर में हमने भिन्न- भिन्न जाति के जानवरों और पक्षियों को देखा। राजमहल का दृश्य अवर्णनीय है। चित्रालय में राजा रविवर्मा के चित्र देखकर अवाक् रह गया।

इस यात्रा से हमें बहुत अधिक जानकारी प्राप्त हुई। वहाँ के लोग, प्रकृति,भोजन, रीति-रिवाज़ आदि की जानकारी अमूल्य है। यह यात्रा मैं कभी नहीं भूल सकता।

- यात्रा विवरण केलिए उचित शीर्षक देनें का निर्देश दें।

• सूचना के आधार पर यात्राविवरण तैयार करवायें। निम्न लिखित बिन्दुऐं छात्रों को दें। छात्र एक यात्रावर्णन तैयार करें।

- कब और कहाँ गए
- कौन-कौन गए
- कैसे गए
- क्या –क्या देखें
- वहाँ की विशेषताएँ क्या – क्या हैं
- कब लौटे
- यात्रा कैसी रही

अध्यापक सहायता देकर लिखवायें। प्रस्तुत करवायें। संशोधन करें।

- समय सारणी के अनुसार यात्राविवरण तैयार करें।

5.00	-	रवाना
8.00- 12.30	-	चिडिया घर, अजायब घर, हवाई अड्डा, कोवलम्
12.30- 1.00	-	भोजन
1.00-2.00	-	पद्मनाभपुरम् राजमहल
3.00	-	कन्याकुमारी – तीन सागरों का संगम, गन्धी स्मारक, देवी का मंदिर, सुर्यास्त
7.00	-	वापस
11.00	-	घर पहुँचा

- सूचनाओं को विकसित करके निर्झर का यात्राविवरण तैयार करें।

कुछ दिन पहले ही मैं ने पर्वत से अपनी यात्रा शुरू की थी। निर्जन वन से.....

..... लेकिन अभी तक मेरी यात्रा सफल नहीं हुई।

- सुन्दर गीत
- प्रेमी की खोज
- विरह
- रास्ते में विध्न
- तरूगण का व्यवहार

कविता

निम्नलिखित कविता चार्ट में प्रस्तुत करें।

एक दिन विष्णुजी के पास गए नारदजी
पूछा, "मर्त्यलोक में वह कौन है पुण्यश्लोक
भक्त तुम्हारा प्रधान?"
विष्णुजी ने कहा "एक सज्जन किसान है
प्राणों से प्रियतम।"
नारद ने कहा, "मैं
उसकी परीक्षा लूँगा।" हँसे विष्णु सुनकर यह.
कहा कि," ले सकते हो।

ये प्रश्न दें: उत्तर लिखवायें।

1. कौन विष्णुजी के पास गए?
2. विष्णु का प्रधान भाक्त कौन है?
3. नारदजी किसकी परीक्षा लेना चाहते है?
4. इस कविता को एक वार्तालाप का रूप दें।
5. कविता केलिए उचित शीर्षक दें।

निम्न लिखित कवितांश पढ़कर प्रश्नों का उत्तर लिखें।

मन करता है सूरज बनकर
आसमान पर दौड़ लगाऊँ।

मन करता है चाँद बनकर
सब तारों पर उकड़ दिखाऊँ।
मन करता है बाबा बनकर
घर में सब पर घौंस जमाऊँ।
मन करता है पापा बनकर
मैं भी अपनी मूँछ बढाऊँ।

- बच्चा चाँद बनकर क्या करना चाहता है?
- पिता क्या करता है?
- किवता केलिए उचित शीर्षक दें।

यह कविता पढें और प्रश्नों का उत्तर लिखें।

फूलों से नित हँसना सीखो
भौरों से नित गाना,
तरू की झुकी डालियों से नित
सीखो शीश झुकाना।
सत्पुरूषों के जीवन से
सीखो चरित्र निज गढ़ना
अपने गुरू से सीखो बच्चो
अत्तम विद्या पढ़ना।

1. गाना किससे सीखना है?
2. गुरू से क्या सीखना है?
3. इसतरह के अन्य तीन प्रश्न और उसका उत्तर लिखें।
4. कविता केलिए शीर्षक दें।

इस तरह और कविताएँ दें और प्रश्न और उत्तर तैयार करवायें।

गद्यखंड

निम्नलिखित खंड दें

मनुष्य सदा स्वस्थय रहने की आशा करता है। शरीर को स्वस्थय रखने केलिए भारत में प्रचिन काल से ही आयुर्वेद

का सहारा लिया गया है। आयुर्वेद ज्ञान की एक ऐसी शाखा है, जो शरीर और मस्तिष्क दोनों को आधार बनाकर चलता है। आयुर्वेद दो शब्दों के मेल से बना है - आयुस और वेद। इसप्रकार जीवन को जाने की विद्या को आयुर्वेद कहते हैं। हमारे देश में इस चिकित्सा पद्धति की परंपरा अत्यंत प्राचीन है।

इस गद्यखंड से कुछ प्रश्न दें। उनका उत्तर लिखकर छात्र प्रस्तुत करें । इसके बाद निम्नलिखित प्रश्न देकर उत्तर लिखवायें।

- यह खंड किसके संबन्ध में है?
- मनुष्य सदा किसकी आशा करता है?
- भारत में आयुर्वेद चिकित्सा की शुरूआत कबहुई?
- शीर्षक भी लिखवायें।

प्रधान आशय चुनकर संक्षेपण करने की क्षमता बढाएँ। शीर्षक लिखवायें।

प्रश्न पत्र का नमूना 2009.10

Total Score: 40 Time: 1 ½ Hrs

निर्देश : प्रश्न पत्र ध्यान से पेढ़।

9 से 12 तक के प्रशनों में से किन्ही तीन के उत्तर लिखें

14 से 16 तक के प्रश्नों में से दो के उत्तर लिखें।

सूचना : यह गद्यॉंश पढें, 1 से 4 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

बालक सिदधार्थ बगीचे में खेल रहा था। अचानक एक हंस उसके पास आ गिरा। हंस के शरीर में तीर लगा हुआ था। सिद्धार्थ ने हंस को उठाया और तीर निकाला। हंस का उपचार करने लगा। इतने में देवदत्त वहॉं आ पहुँचा। देवदत्त ने ही तीर चलाकर हंस को मारा था। लेकिन सिद्धार्थ हंस को देने केलिए तैयार नहीं था। यह बात राजा के पास पहुँची। उनका निर्णय था- हंस सिद्धार्थ को दिया जाए। जीवन बचानेवाले का अधिकार जीवन लेनेवाले के अधिकार से बड़ा है।

1. हंस को क्या हुआ था?
2. किसने हंस को मॉंगा?
3. देवदत्त और सिद्धार्थ के बीच का वार्तालाप तैयार करें।
4. रेखांक्ति वाक्यों को मातृभाषा में अनुवाद करें।

सूचना : यह कवितांश पढ़ें और 5 से 7 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें

खुशबू केवल फूल-फुल में
रहनेवाली चीज़ नहीं।
खुशबू केवल बगीचों में
बहनेवाली चीज़ नहीं।
खुशबू है व्यवहार प्यार का
जिसकी बड़ी ज़रूरत भाई।
इसके कारण सुंदर लगती
कैसी भी हो सूरत भाई

5. खुशबू की विशेषताएँ क्या-क्या है?
6. किसकी बड़ी ज़रूरत है?
7. कवितांश केलिए उचित शीर्षक दें।
8. हिंदी पारिभाषिक शब्द जोड़कर पुनर्लेखन करें।

राजु Reservation करना चाहता है। उसने Clerk के पास जाकर कहा-जी, एक Applciation form दीजिए।

(कर्मचारी, आरक्षण, लिपिक, आवेदन- पत्र, निकास)

9. सूचनाः गद्यांश पढ़कर उत्तर लिखें।

छः महीने तक उन्होंने दिन को दिन और रात को रात नहीं जाना। कौशल कहानी के आधार पर बालकराम शास्त्री से पत्रकार के साक्षात्कार को आगे बढाएँ।

पत्रकारः शास्त्री, जी आप कुछ दिनों से कठिन काम कर रहे हैं। हार की चोरी कैसी हुई?

बालकराम शास्त्री :.....

पत्रकार .....

10. दोहे की पंक्तियाँ क्रमबद्ध कर लिखें।

जो चाहसी उजियार
जीह देहरी द्वार
राम नाम मणि दीप धरू
तुलसी भीतर बाहिरौ

11. शिवशंकर और रामशंकर के बीच जो बँटवारा हुआ, उसका समाचार अगले दिन के अख्बार में आया। उस समाचार की पूर्ति करें।

.....

कानपूर : कल शहर के प्रसिद्ध व्यापारी रामशंकर.....

.....

12. ऩारद को पेंशन दफ्तर में बडें साहब से मिलना है। प्रवेशपत्र तैयार करने केलिए नारद की मदद करें।

पेशन कार्यालय, जबलपूर प्रवेश- पत्र
नामः
स्त्री/पुरूषः
कहाँ से आ रहे हैः
किससे मिलना हैः
मिलने का उद्देश्यः

13. कहानी के लेखक और पात्र से मिलाएँः

कहानी	पात्र	लेखक
भोलाराम का जीव	शिवशंकर	हरिशंकर परसाई
	धर्मराज	प्रेमचंद

14. लड़की कहानी के आधार पर लड़की और लड़के की चरित्रगत विशेषताएँ छाँटकर लिखें।
    - सबकुछ सहनेवाली
    - हमेश हठ करनेवाला
    - सदा प्यार मिलता है
    - सदा गाली मिलती है
15. संकेतों के आधार पर निबंध तैयार करें।
    - भारतीय किसान
    - गरीबी सहना
    - गर्मी- सर्दी झेलना
    - सच्ची देश सेवा
    - खेती बाड़ी करना
    - देश को खिलाना

16. कहानी को आगे बढाएँ।

राजू, गोपू और किच्चु पड़ोसी थे। एक दिन वे सडक पर जा रहे थे। सहसा एक बटुआ पड़ा मिला।

.....

- राजू द्वारा बटुआ खोलना, बहुत से रूपये
- बड़ी भुख लगना गोपू का भोजन केलिए जाना
- भोजन में विष मिलाना, राजु और किच्चु मिलकर गोपू को मारना, दोनों खुशी से भोजन लेना

17. निर्झर की आत्मकथा तैयार करें।

सहायक बिंदु : पहाड़ से निकलना
वन से होकर बहना
शरीर को जलमय बनाना
एकाग्रता के साथ आगे बढना

Scoring Indicators (मुल्यांकन सूचक)

साक्षात्कार

- आशयग्रहण किया है।
- प्रसंगानुकूल लिखा है।
- साक्षात्कार (प्रश्न और उततर की) की शौली।

वार्तलाप

- लेख का आशय समझा है।
- प्रसंगानुकूल लिखा है।
- विषयवस्तु से अनुरूप।
- शौली।
- स्वाभाविकता है।

कहानी

- शैली।
- कल्पना शक्ति।
- कथावस्तु।
- संकेतों की अवधारणा।
- शीर्षक

कहानी (की पूर्ती)

- आशयग्रहण।
- प्रासंगिकता
- सृजनात्मकता।
- भाषा।
- शीर्षक।

वार्तालाप

- प्रसंगानुकूल लिख है।
- स्पष्टता।
- संक्षिप्तता।
- भाषा।

पत्र

- रूपरेखा।
- पत्र शैली।
- विषयवस्तु।
- भाषा।
- प्रसंगानुकूल लिखा है।

सूचना

- सही
- आशय की घारणा।

निबंध

- निबंध की प्राथमिक धारण।
- निबंध की शौली।
- विषयवस्तु (बिदुओं को विकसित किया है)
- शीर्षक।
- कल्पना के अनुसार आकर्षक प्रनाया है।

फॅर्म भर्ती

- आशयग्रहण
- सही भर्ती।

लेख

- प्राथमिक धारणा।
- विषयवस्तु शौली।
- क्रमबद्धता।
- शीर्षक
- भाषा।

संक्षेपण

- लेख का आशय समझा है।
- अनावश्यक वर्णन आदि छोडा है।
- संक्षेपण की शौली।
- आशयों को क्रमबद्ध किया है।

डायरी

- आशय की घारणा।
- डायरी की शैलीय़
- संक्षिप्तता।
- प्रासंगिकता
- मौलिकता।
- शीर्षक।

अनुवाद

- स्त्रेत भाषा आश्य ग्रहण किया है ।
- लक्ष्य भाषा की शौली में लिखा है।

पोस्टर

- प्रासंगिकता
- रूपसंविधान (Layout)
- विषय
- संक्षिप्तता।
- भाषा।

कार्यक्रम

- आश्य ग्रहण
- प्राथमिक धारणा।
- क्रमबद्धता।

आत्मकथा

- आत्मकथा की शैली।
- विषयवस्तु।
- शीर्षक।

विज्ञापन

- आशय की धारण।
- सही भर्ती।